

फर्द अहकाम
 बंकीलाल बनाम श्री. गणेश १ मल

नाम न्यायालय

केस संख्या ११/२०२२ (टी. फर्द)

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>5/1/22</p> <p><i>Kunal</i> (वकील/अभिनेता) 9/1/22 9/1/22</p> <p><i>Banshi Singh</i> 19/2/24</p> <p><i>Identified by Kunal</i> 14/5/2018 (वकील/अभिनेता)</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। <i>श्री. गणेश साहब</i> अन्य कार्ड में व्यस्त है। अतः पत्रावली के अनुसार दिनांक 19/2/24 को पेश हो।</p> <p>पत्रावली पेश हुई। <i>पार्थी</i> का <i>अभिनेता</i> उपस्थित। <i>पार्थी</i> की ओर से <i>गणेश</i> काबत वाद। <i>गणेश</i> टी. फर्द. <i>विद्वान्</i> गिरा जिन के अनुसार <i>गणेश</i> का शीर्षक <i>गणेश</i>। <i>पार्थी</i> द्वारा <i>गणेश</i> का शीर्षक कर निवेदन किया गया कि कि <i>पार्थी</i> के पत्रावली में <i>गणेश</i> के विरुद्ध कोई अभितोष नहीं था। कि तथा पत्रावली में <i>गणेश</i> कोई कार्यवाही नहीं था। <i>गणेश</i> पत्रावली को उचित रूप पर <i>विद्वान्</i> द्वारा वादता है। अतः <i>गणेश</i> स्वीकार किया जाकर <i>पार्थी</i> का टी. फर्द. के <i>विद्वान्</i> की अनुमति की जावे। <i>पार्थी</i> द्वारा स्वयं को पहचान के दस्तावेज में <i>गणेश</i> कार्ड की स्वयं स्थापित प्रति, पत्रावली की मर्च है तथा <i>पार्थी</i> की पहचान <i>पार्थी</i> <i>अभिनेता</i> द्वारा की गई है। अतः <i>पार्थी</i> स्वयं <i>पार्थी</i> के पत्रावली को अपने</p>	

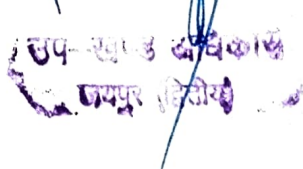
फर्द अहकाम
 वंशीलाल बनाम श्रीनाथय व उन्नि

नाम न्यायालय

केस संख्या

११/ २०२२ (सी. आर्ड.)

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	११/२२	<p>नहीं चलाना चाहिए है तथा प्रकल्प को इसी तरह पर विज्ञा करना चाहिए है। आदेश : श्री. जा. श्रीका. सिन्हा प्राकृत्य पार्थी का प्राथनात्मक सी. आर्ड. विज्ञा के आधार पर स्वीकृत किया जाता है। लगातार फौजदारी शुल्क दोषा रसि नमक ले एक ही बाप तक कील शामिल अर्थात है।</p>	


 उच्च न्यायालय
 जयपुर जिले